दैनिक भास्कर
पटना 23-05-2022

जैव विविधता दिवस : मंत्री ने किया बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के लोगो का विमोचन, एप को भी किया गया लॉन्च

50 वर्ष से अधिक पुराने दुर्लभ वृक्षों को बचाने के लिए हेरिटेज ट्री एप से होगी ऑनलाइन मॉनिटरिंग

भास्कर न्यूज | पटना

प्रकृति के प्रति सजग छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया, किया सम्मानित

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से रविवार को पटना जू में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। वन विभाग के मंत्री नीरज कुमार सिंह ने फालसा का पौधरोपण करके कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह में 25 से अधिक सरकारी और प्राइवेट स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, उनके गार्जियन शामिल हुए। मंत्री नीरज कुमार सिंह ने हेरिटेज ट्री एप का लोकार्पण किया। इसके बाद बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के लोगो का विमोचन किया गया। इसके दौरान चित्रकारी, लेखन, वाद-विवाद और फोटोग्राफी प्रतियोगिता में बेहतर करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि 50 वर्षों से अधिक पुराने दुर्लभ प्रजाति के वृक्षों को एप के माध्यम से संरक्षित किया जाएगा। इतना ही नहीं प्रदेश के दुर्लभ प्रजाति के वृक्षों को विभाग ऑनलाइन मॉनिटरिंग करेगी। इस मौके पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी, बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के अध्यक्ष डॉ. डीके शुक्ला, सेवानिवृत्त पीआर सिन्हा, डायरेक्टर इकोलॉजी सुरेन्द्र सिंह, पटना डीएफओ श्वेता कुमार, जू निदेशक सत्यजीत, पार्क डीएफओ शशिकांत कुमार मौजूद थे।

पटना जू में हुई प्रतियोगिता की विजेता छात्रा को पुरस्कृत करते वन एवं पर्यावरण मंत्री नीरज कुमार सिंह।

लोगों को 50 वर्ष से अधिक पुराने वृक्षों की जानकारी हेरिटेज ट्री एप पर मिलेगी। पुराने पेड़ पर्यावरण संरक्षण में कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। ये ज्यादा ऑक्सीजन तो देते ही हैं, साथ ही इनका जैव विविधता के संरक्षण में काफी अहम योगदान है। सरकार इन्हें बचाने के लिए पहल शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक राज्य, जिला, प्रखंड स्तर पर इन वृक्षों का आंकड़ा नहीं है। एप के माध्यम से गिनती की जाएगी।

हेरिटेज ट्री एप गूगल प्ले स्टोर से कर सकते हैं डाउनलोड

गूगल प्ले स्टोर से 'बिहार हेरिटेज ट्री' एप डाउनलोड करें। आगे बढ़ने पर जिला, प्रखंड, पंचायत या नगर निकाय का नाम पूछा जाएगा। पेड़ों की प्रजाति की सूची आएगी। पापुलर, शीशम, सागवान, महोगनी, कुसुम, पीपल, बरगद, पाकड़, पलास, अर्जुन, नीम, महुआ, पाटली, आम अन्य प्रजाति के पेड़ों के नाम दर्ज हैं। पेड़ के नाम के सामने क्लिक करते ही पेड़ की ऊंचाई, गोलाई और उम्र चुनने का विकल्प आएगा।

स्कूली छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर 20 मई को पटना जू में 25 से अधिक सरकारी और प्राइवेट स्कूल के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकारी, लेखन, वाद-विवाद और फोटोग्राफी में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। बेहतर चित्रकारी करने वाले वर्ग एक से 12वीं तक 18 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

जैव-विविधता बनाए रखने में लोगों का सहयोग जरूरी

पटना नगर निगम के जैव-विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार सिन्हा ने निगम क्षेत्र के आम जनों से जैव-विविधता को बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाये रखने के लिए जैव विविधता का संरक्षण अनिवार्य है। इसके अंतर्गत विलुप्त हो रहे पेड़-पौधों और जीव-जन्तु को संरक्षित करने के लिए लोगों को जागरूक होना होगा। आमजनों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है।